

प्रेषक,

सौरभ जैन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सचिव/उपाध्यक्ष,
कुम्भ क्षेत्र नियंत्रण एवं व्यवस्था समिति/
हरिद्वार विकास प्राधिकरण,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 31-मार्च, 2008

विषय: हरिद्वार में स्थायी पेयजल व्यवस्था की योजनान्तर्गत अन्तःस्रोत कूप छिद्रण व अन्य संबंधित कार्य हेतु धनराशि के निवर्तन पर रखी धनराशि से व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 91/कु.मे.-2010/पेयजल दिनांक 19मार्च, 2008 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, हरिद्वार द्वारा हरिद्वार में स्थायी पेयजल व्यवस्था की योजनान्तर्गत अन्तःस्रोत कूप छिद्रण व अन्य संबंधित कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 369.70लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त अनुमोदित रु. 333.11लाख की लागत की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुए, शासनादेश संख्या भा.स.-01/IV(1)/2008-39(सा.)/2006-टी.सी. दिनांक 08.02.2008 के द्वारा निवर्तन पर रखी गई धनराशि रु. 4980.97लाख के सापेक्ष, वित्तीय वर्ष 2007-08 में रु. 333.11लाख (रु. तीन करोड़ तैंतीस लाख ग्यारह हजार मात्र) व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित कराना आवश्यक होगा।
2. यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त पूर्ण कार्य या इसके कोई भाग के विषय में यदि कोई धनराशि अन्य विभागीय बजट से स्वीकृत की गई हो तो उसे इस योजना के प्रति बुक करके उस धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जाएगा।
3. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गई है।
5. एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
7. कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जायेगा और यदि धनराशि बैंक में रखी जाती है तो इस पर समय-समय पर अर्जित ब्याज राजकोष में जमा कर दिया जायेगा।
8. निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्चेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाए।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री का ही प्रयोग में लाया जाए।
10. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्यस्थल का भली भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिए गये निर्देशों के अनुसार कार्य कराया जाए।
11. मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनोदश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाए।
12. सचिव/उपाध्यक्ष, कुम्भ क्षेत्र नियंत्रण एवं व्यवस्था समिति/हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार के पद हेतु आहरण वितरण कोड आवंटित न होने के कारण उक्त धनराशि का आहरण जिलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
13. शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध उक्त सदभित शासनादेश दिनांक 08.02.2008 के अनुसार होंगे।

2— यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 417/XXVII(2)/2008 दिनांक 31 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,


(सौरभ जैन)
अपर सचिव।

संख्या : 392 (1)/IV(1)/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री/शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
9. अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, हरिद्वार।
10. गार्ड बुक।

आज्ञा से,


(ओमकार सिंह)
अनुसचिव।